No. of Printed Pages : 3

ई.एच.डी.-1

11977

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 **घण्टे** *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पहला प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(क) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है, सब जल तरल है, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्ज्वलित नहीं। सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है। प्रिय नाविक! तुम स्वदेश लौट जाओ, विभवों का सुख भोगने के लिए, और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले-भाले प्राणियों के दु:ख की सहानुभूति और सेवा के लिए।

(ख) उस अनर्थ की कल्पना ही से मुंशीजी के रोएँ खड़े हो गए और कलेजा धक्-धक् करने लगा। हृदय में एक धक्का-सा लगा। अगर इस ज्वर का यही कारण है, तो ईश्वर ही मालिक है। इस समय उनकी दशा अत्यंत दयनीय थी।

वह आग जो उन्होंने अपने ठिठुरे हुए हाथों को सेंकने के लिए जलाई थी अब उनके घर में लगी जा रही थी। इस करुणा, शोक, पश्चात्ताप और शंका से उनका चित्त घबरा उठा।

(ग) क्यों न हो! (तनिक हँसकर) वो एक बार किसी ने एक फकीर से पूछा था - खाने का ठीक समय कौनसा है? उसने उत्तर दिया - अमीर का जब मन हो और गरीब को जब मिले। आप ठहरे धनी-मानी और हम .... (हिं - हिं करते हुए) निर्धन! अच्छा, पान तो लेंगे न?

(घ) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु - संपत्ति समझकर उनपर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव, नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।

(ङ) यह कोई बात नहीं है कि एक ही स्वभाव और रुचि के लोगों ही में मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक-दुसरे की ओर आकर्षित होते हैं। जो गुण हममें नहीं हैं, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले जिसमें वह गुण हो। चिंताशील मनुष्य प्रफुल्लचित्त मनुष्य का साथ ढूँढ़ता है, निर्बल बली का, धीर उत्साही का।

2. भारतेन्दुयुगीन हिंदी गद्य के विकास का परिचय दीजिए। **16**

3. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। **16**

4. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर मुंशी तोताराम का चरित्र-चित्रण कीजिए। **16**

5. 'रीढ़ की हड्डी' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालते हुए उसके शीर्षक की उपयुक्तता पर विचार कीजिए। 16

6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए। 16

7. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबंध की अंतर्वस्तु पर विचार कीजिए। 16

8. प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी के विकास का परिचय दीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8x2=16
   (क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में नारी-जागरण का स्वर
   (ख) 'आकाशदीप' कहानी की भाषा
   (ग) निबंध की विशेषताएँ
   (घ) आत्मकथा और जीवनी।